Hari Bhoomi 30 august 2012

निडाना में दूरदर्शन टीम ने कैमरे में कैद की खेत पाठशाला, चार सितंबर को 165 देशों में प्रसारण

विदेशी किसानों को सिखाएंगे खेती के गुर

निडाना की खेत पाठशाला से मित्र कीटों को बचाने के लिए उठी आवाज अब विदेशों में भी रंग लाएगी।

कुलदीप सिंह . जींद

गांव निडाना खेत पाठशाला से मित्र कीटों को बचाने के लिए उठी आवाज अब विदेशों में भी सुनाई देगी। इसके लिए किसान दूरदर्शन का सहारा लेंगे। दिल्ली दूरदर्शन की टीम अपने कृषि कार्यक्रम के तहत किसानों के सुझावों को देश तथा विदेश के किसानों से सांझा करेगी। दिल्ली दूरदर्शन द्वारा चार सितंबर को सुबह साढ़े छह बजे यह कार्यक्रम प्रसारित किया जाएगा। यह कार्यक्रम 165 देशों में प्रसारित होगा। मंगलवार को दिल्ली दूरदर्शन की टीम अपने कृषि दर्शन कार्यक्रम की रिकार्डिंग के लिए मंगलवार को निडाना पहुंची थी। टीम ने निडाना गांव में किसान खेत पाठशाला तथा बुधवार को ललीतखेड़ा की महिला किसान खेत पाठशाला की गतिविधियों की रिकार्डिंग की। बुधवार को हुई बूंदाबांदी के बीच भी कार्यक्रम की शूटिंग चली और ललीतखेड़ा की महिला किसान खेत पाठशाला में शूटिंग को अंतिम रुप देकर टीम अपने गंतव्य की तरफ रवाना हो गई। अलेवा निवासी जोगेंद्र ने कृषि वैज्ञानिक को अपने अनुभव के बारे में बताया कि वह 1988 से खेती बाड़ी के कार्य से जुड़ा हुआ है। खेतीबाड़ी के कार्य से जुड़ने के साथ ही उसने अपने खेतीबाड़ी के सारे खर्च का रिकार्ड भी रखना शुरू किया हुआ है। 1988 से लेकर 2011 तक वह अपने खेतों में 70 लाख के पेस्टीसाइड डाल चुका था। लेकिन इस बार उसने निडाना के किसानों के साथ जुड़ने के बाद अपने खेत में एक बार भी कीटनाशक नहीं डाला है

जींद। किसानों से बातचीत करते कृषि वैज्ञानिक डॉ. आरएस सांगवान। फोटो: हरिभूमि

खूब सराहा काम

टीम के साथ आए कृषि वैज्ञानिक डॉ. आरएस सांगवान ने किसानों द्वारा शुरू किए गए इस कार्य की सराहना की। किसानों की पीठ थपथपाते हुए सांगवान ने कहा कि उनकी यह मुहिम एक दिन जरूर शिखर पर पहुंचेगी और दूसरे किसानों को राह दिखाएगी। उन्होंने कहा कि इंसान को प्रकृति के साथ छेड़छाड़ नहीं करनी चाहिए। आज मौसम में जो परिवर्तन आ रहे हैं, वह सब प्रकृति के साथ हो रही छेड़छाड़ का ही नतीजा है।

कीटनाशकों का प्रयोग नहीं

निडानी के जयभगवान ने बताया कि वह 14 वर्ष की उम्र से ही खेती के कार्य में लगा हुआ है। उनके एक रिश्तेदार की पेस्टीसाइड की दुकान है और वह हर वर्ष उससे कंट्रोल रेट पर दवाइयां खरीदता था। कंट्रोल रेट पर दवाइयां मिलने के बाद भी उसका हर वर्ष 80 हजार खर्च हो जाता था। लेकिन पिछले दो वर्षों से उसने इस मुहिम से जुड़ने के बाद कीटनाशकों का प्रयोग बंद कर दिया है।

गीतों से किया स्वागत

बुधवार को जब दूरदर्शन की टीम ललितखेड़ा की महिला किसान पाठशाला में पहुंची तो महिलाओं ने कीटों पर लिखित गीत सुनाकर टीम का स्वागत किया। टीम ने महिलाओं द्वारा लिखे गए तीन गीतों की भी रिकार्डिंग की। दूरदर्शन की टीम ने निडाना के रणबीर द्वारा चार एकड़ में बोई गई देशी कपास के शॉट भी लिए। कृषि वैज्ञानिक डॉ. आरएस सांगवान ने कीट कमांडो किसानों के साथ सीधे सवाल-जवाब किए।

दूरदर्शन की टीम निडाना में

निडाना के किसान देश ही नहीं बल्कि विदेश के किसानों को भी कीटों का ज्ञान कराएंगे। किसानों के इस ज्ञान को विदेशों तक पहुंचाने के लिए दिल्ली दूरदर्शन की टीम पिछले दो दिनों से गांव निडाना में डेरा डाले हुए है। इस टीम में रिपोर्टर विकास डबास, कैमरामैन सर्वेश व राकेश के अलावा 84 वर्षीय वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक डॉ. आरएस सांगवान ने किसानों से उनकी बातें सांझा की।